Patra (Odisha) and Shri A. A. Rahim (Kerala).

Now, Shrimati Seema Dwivedi on 'Demand for stoppage of Train Nos. 12355 and 12356 (Patna-Jammu) at Mungra Badshahpur Railway Station in Jaunpur, Uttar Pradesh.'

Demand for stoppage of Train Nos. 12355 and 12356 (Patna-Jammu) at Mungra Badshahpur Railway Station in Jaunpur, Uttar Pradesh

श्रीमती सीमा द्विवेदी (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति महोदय, आज मैं आपके माध्यम से जनहित के एक मुद्दे को सदन में रखना चाहती हूँ। पटना से जम्मू जाने वाली ट्रेन संख्या 12355 'नीलांचल एक्सप्रेस' तथा जम्मू से पटना आने वाली ट्रेन संख्या 12356 मुंगरा बादशाहपुर रेलवे स्टेशन से ही गुजरती है, लेकिन वहाँ पर उसका ठहराव नहीं है। वहाँ भारी संख्या में तीर्थ यात्री 'माता वैष्णो देवी' के दर्शन करने जाना चाहते हैं, सबकी आस्था जुड़ी हुई है, परंतु ट्रेन का ठहराव न होने के कारण श्रद्धालुओं को बड़ी निराशा होती है। पूर्व में इसके लिए बार-बार प्रयास करने के बाद भी सफलता नहीं प्राप्त हो सकी। आज परम श्रद्धेय माननीय मोदी जी की सरकार ने ट्रेनों को प्रत्येक बहुसंख्यक जिले में चलाए जाने का जो प्रयास किया है, जो निर्णय लिया है, वह बहुत सराहनीय है। रेलवे की समय प्रतिबद्धता, सुरक्षा की भरपूर सुविधाओं से रेल यात्रियों का उत्साहवर्धन हुआ है और विश्वास भी जगा है।

महोदय, पब्लिक को यह पूरा यकीन है कि सरकार जहाँ 'वंदे भारत' जैसी प्रीमियम गाड़ियों को चला कर हर जिलों को जोड़ने का काम कर रही है, वहीं मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहती हूँ कि जनहित में उक्त ट्रेन, यानी 'नीलांचल एक्सप्रेस' का 2 मिनट के लिए ठहराव मुंगरा बादशाहपुर स्टेशन पर करने की कृपा करें ताकि भारी संख्या में श्रद्धालु 'माता वैष्णो देवी' के दर्शन कर सकें। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहती हूँ कि वह इस जनहित के प्रकरण का संज्ञान लेकर उक्त ट्रेन के ठहराव को सुनिश्चित करने की कृपा करे, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shrimati Seema Dwivedi: Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh) and Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand).

Now, Shri Raghav Chadha on 'Need to tap India's potential in the field of Artificial Intelligence.'

Need to tap India's potential in the field of Artificial Intelligence (AI)

श्री राघव चड्ढा (पंजाब) : सर, आज मैं जिस विषय पर बात करने के लिए खड़ा हुआ हूँ, वह आज के भारत से कहीं ज्यादा आने वाले कल के भारत के लिए जरूरी है। मैं Artificial

Intelligence की बात कर रहा हूँ। इस एआई की क्रांति के युग में जहाँ अमेरिका के पास अपना ChatGPT, Gemini, Anthropic Groq जैसे indigenous models हैं, वहीं चीन ने DeepSeek जैसा सबसे ज्यादा क्षमता वाला और सबसे कम लागत से बना एआई मॉडल तैयार कर लिया है। लेकिन इस एआई के युग में भारत कहाँ है? क्या भारत इस युग में पिछड़ता जा रहा है? क्या भारत अपना generative AI model नहीं बना पाएगा? वर्ष 2010 से लेकर 2022 के बीच में दुनिया में जितने एआई पेटेंट्स रजिस्ट हुए, उनका 60 प्रतिशत हिस्सा यूएस ने हासिल किया और 20 प्रतिशत हिस्सा चीन ने हासिल किया। दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत ने मात्र आधा प्रतिशत ही हासिल किया है।

सर, यह बात तो सत्य है कि यूएस और चीन के पास एआई में चार-पाँच साल का headstart है, लेकिन वह इसलिए है, क्योंकि उन्होंने अपने रिसर्च, academia और एआई डेवलपमेंट में निवेश किया। सर, भारत की बहुत बड़ी आबादी एआई के वर्कफोर्स का हिस्सा है। बताया जाता है कि एआई की कुल वर्कफोर्स का 15 प्रतिशत हिस्सा भारतीयों से बनता है और साढ़े चार लाख भारतीय एआई प्रोफेशनल्स के तौर पर फॉरेन कंट्रीज़ में काम कर रहे हैं।

Sir, India ranks third in highest penetration of AI skills, जिसका मतलब यह है कि भारत के पास प्रतिभा भी है, मेहनती लोग भी हैं, ब्रेन पावर भी है, digital economy भी है और 90 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूजर्स भी हैं, लेकिन फिर भी कहीं-न-कहीं आज भारत एआई का consumer बन गया है, एआई का producer नहीं बन पा रहा है।

सर, ओपन एआई के फाउंडर Sam Altman से जब भारत की एआई पोटेंशियल के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने भारत को नकारते हुए कहा कि भारत का एआई पोटेंशियल पूरी तरीके से होपलेस है, यानी निराशाजनक है। आज समय आ गया है कि हम उन्हें जवाब दें और भारत इस एआई के युग में एआई प्रोड्यूसर बने, न कि एआई कंज्यूमर। सर, इसके लिए कई कदम उठाने होंगे। सबसे पहले हमें indigenous AI chips बनाने होंगे, भारत में indigenous chip

(**सभापति** महोदय *पीठासीन हुए*)

manufacturing ईजाद करनी होगी। इसी के साथ-साथ हमें dedicated AI infra fund तैयार करना होगा, AI research grants देने होंगे, AI tax breaks देने होंगे और talent migration रोकना होगा ताकि भारत का top tier AI talent और देशों में जाकर काम न करे, बल्कि भारत में काम करे। इसी के साथ-साथ AI के indigenous start-ups को large volume of existing data का एक्सेस देना होगा, जो Meta, Microsoft और Google के पास है, लेकिन भारत के पास नहीं है। सर, अंत में, हमें financial investment बढ़ानी होगी। जहाँ एआई रिसर्च में यूएस अपनी जीडीपी का 3.5 परसेंट खर्च करता है, चीन 2.5 परसेंट खर्च करता है, वहाँ भारत मात्र 0.7 परसेंट खर्च कर रहा है। आने वाले काल में इस दुनिया पर वही राज करेगा, वही विश्व गुरु होगा, जिसके पास AI की ताकत होगी, इसलिए भारत को Make in India के साथ-साथ Make AI in India की ओर आगे बढ़ना होगा। ...(**समय की घंटी**)...

श्री सभापति : विश्व गुरु तो भारत ही होगा।

The following hon. Members associated themselves with the matter raised

by hon. Member, Shri Raghav Chadha: Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri A. A. Rahim (Kerala), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Dr. Ashok Kumar Mittal (Punjab), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Shri Mohammed Nadimul Haque (West Bengal), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. John Brittas (Kerala) and Shri P. P. Suneer (Kerala).

SHRI TIRUCHI SIVA: Sir, yesterday, my name was at serial no. 12, when it was updated on my portal, but now it is at serial no. 15.

MR. CHAIRMAN: I will ensure, tomorrow, it is not at no. 12. It will not be down, it will be up.

SHRI SANDOSH KUMAR P: Sir, mine was at serial no. 14 but now it is at 18.

MR. CHAIRMAN: Well, I will take note of all these developments and try to give precedence tomorrow and day after. Now, Question Hour.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Beneficiaries under NFSS

*256. SHRI NIRANJAN BISHI: Will the Minister of CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to state:

(a) the latest data on the number of beneficiaries covered under the National Food Security Scheme (NFSS) in the country, State -wise;
(b) the details of amount allocated under the NFSS in the country during the last three years, State-wise, including the amount disbursed for the procurement and distribution of food grains and other essential commodities; and
(c) whether Government has fixed any specific targets under the NFSS, if so, the presentstatus of these targets, including any challenges faced and the progress made?